पहल

सकोरे में पानी रखकर बुझा रहे पक्षियों की प्यास

गर्मी के दिनों में कोई भी पक्षी प्यासा नहीं रहे

▶ शहर में लोग छत और पेड़ों में बांध रहे दाना-पानी

नवभारत, जबलपुर। लगातार पड़ रही भीषण गर्मी को लेकर हर कोई ठंडक पाने के एहसास में जरूर रहता है। जिसके लिए लोग घरों के अंदर कूलर, एसी में रहना पसंद करते हैं। साथ ही ठंडी वस्तुओं का सेवन भी करते हैं, जिससे उनकी प्यास बुझ जाती है।

वहीं खुले वातावरण में दिन भर धूप में रहने वाले पशु- पक्षी भी गर्मी में प्यासे ना रह जाए उसके लिए सभी लोग तरह-तरह के प्रयास कर रहे हैं। उसी क्रम में देखा जा रहा है कि सभी घरों की छत पर लोग सकोरे में पानी और दाना रखते हैं ताकि पशु- पक्षी इस भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए पेड़ों पर भी संस्थाओं द्वारा जगह-जगह सकोरे बांधे गए हैं। जिसमें नियमित तौर पर पानी डालकर पशु-पक्षियों की प्यास बुझाई जा रही है।

छत और पेड़ पर सबसे ज्यादा व्यवस्था

गर्मी के सीजन बढ़ते ही जगह-जगह प्याऊ और पक्षियों को सकोरे आदि रखने की व्यवस्था की जाती है। जिससे वह अपनी छतों और पेड़ों पर सकोरे बांधकर पानी रखें जिससे पक्षियों को पानी मिलता रहे। शहर के गार्डन और कई ऐसी जगह पर सकोरे आदि बंधे हुए हैं, जहां पर पक्षियों को पानी मिलता रहता है।

बच्चे से लेकर बड़े तक बांध रहे सकोरे

अक्सर देखा जाता है लोग घर में कोई पालतू जानवर रखते हैं तो ज्यादातर घर के बच्चे उनके साथ मिलकर रहते हैं और उनकी सेवा ज्यादा करते हैं। जिसके चलते अब पक्षियों की सेवा करने के लिए भी बड़ों के साथ बच्चे भी आगे आ रहे हैं और अपनी छतों पर जाकर सकोरे रख रहे हैं और उसमें नियमित तौर पर पानी भी डालते हैं। ताकि बाहर घूम रहे पक्षी आकर अपनी प्यास बुझा सकें और इस भीषण गर्मी में उनको भी राहत मिल सके।

पानी की कमी से कई पक्षियों की जान पर बन आती है : रजत

ग्राम गुरु पिपरिया के रजत का कहना है भीषण गर्मी के मौसम में जहां इंसानों को पानी की अधिक जरूरत होती है, वहीं बेजुबान पक्षियों के लिए यह समय जीवन-मरण का सवाल बन जाता है। तेज धूप और सूखे वातावरण में पानी की कमी से कई पक्षियों की जान पर बन आती है, ऐसे में उन्होंने अपने घर की छत पर पक्षियों के लिए पानी रखकर संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

इनका कहना है

हर साल मम्मी-पापा के साथ मिलकर हम गर्मी में छत पर सकोरे बांधकर रखते हैं, जिससे पक्षियों की प्यास बुझ सके।

मान्या

हमारे यहां सिर्फ गर्मी ही नहीं पूरे साल छत और बालकनी में सकोरे रखते हैं, पानी के साथ अलग से पक्षियों के लिए दाने भी रखते हैं।

मयूर

भगवान को केवल ज्ञान से नहीं, बल्कि भक्ति से जाना जा सकता : रामभद्राचार्य

▶ आयुर्वेद कॉलेज मैदान स्थित अवधपुरी पंडाल में चल रही श्रीराम कथा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

नवभारत, जबलपुर। आयुर्वेद कॉलेज मैदान स्थित अवधपुरी पंडाल में चल रही श्रीराम कथा के सप्तम दिवस पर तुलसी पीठाधीश्वर पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी ने भक्ति और ज्ञान की गूढ़ व्याख्या करते हुए कहा कि 'भगवान को केवल ज्ञान से नहीं, बल्कि भक्ति से जाना जा सकता है। भक्ति से जुड़ी विद्या ही ब्रह्मविद्या बनती है।' महाराजश्री ने कहा कि यदि विद्या संसार से जुड़ जाए तो वह अहंकार और विवाद उत्पन्न करती है, लेकिन जब वही विद्या भगवान से जुड़ती है तो वह मानव को पवित्र बना देती है।

केवट प्रसंग से दिया भक्ति का संदेश

भगवान श्रीराम के केवट प्रसंग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि केवट को बिना मांगे भक्ति का वरदान मिला, क्योंकि उसमें नौ प्रकार की भक्ति का समावेश था। उन्होंने बताया कि भक्ति पक्ष में हठ करना भी आवश्यक है, क्योंकि सच्ची भक्ति ही जीव को तराती है। कार्यक्रम में रामानंदाचार्य पीठ की प्राचीन पादुकाओं का पूजन विधायक संतोष बरकड़े, पूर्व विधायक नीलेश अवस्थी, विनोद गोटियां, इंदर मोहन भाटिया, स्वाति सदानंद गोडवोले, डॉ. दीपक बहरानी, डॉ. सुनील मिश्रा, पं. संजय गोस्वामी, अभय सिंह, डॉ. संजय चौधरी, राजू चक्रवर्ती सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया। समरसता सेवा संगठन के तत्वावधान में आयोजित इस कथा में अध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र जामदार और संदीप जैन ने सभी संतों एवं अतिथियों का पुष्पमाला से स्वागत किया।

बच्चों ने किया 'नमस्कार जय हिंद जय भारत' श्लोक का वाचन

कथा पूर्व नर्मदा तट गौरीघाट के मांझी समाज के बच्चों ने 'नमस्कार जय हिंद जय भारत' श्लोक का वाचन किया, जिन्हें स्वामी गिरीषानंद जी द्वारा शिक्षा दी जा रही है। तुलसी पीठ के युवराज एवं रामचंद्रदास जी ने उनके प्रयासों की सराहना की।

भजन संध्या ने बांधा समां

कथा के उपरांत गायक मनीष अग्रवाल 'मोनी' (अंगना पधारो महारानी ग्रुप) द्वारा भजन प्रस्तुत किए गए, जिन पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे। उनके साथ अजीत मिनोचा, राजेश कपूर, रवि शुक्ला, ईशान मिनोचा, नयन कपूर, संजीव सिन्हा, अभिषेक बर्मन, अतुल सोनी, नरेंद्र राज, भारती रूसिया, रश्मि दुबे, कपिल द्विवेदी, उज्ज्वल तिवारी सहित अन्य कलाकारों ने भी भजन प्रस्तुत किए।

एक नजर में

विनीत अध्यक्ष, नरेंद्र बने वार्ड उपाध्यक्ष

नवभारत,जबलपुर। भगवान परशुराम वंशज, ब्राह्मण एकता मंच संयोजक योगेन्द्र दुबे, प्रदेश महामंत्री अटल उपाध्याय की अनुशंसा पर जिला अध्यक्ष विवेक शुक्ला द्वारा डॉ. एडवोकेट विनीत उपाध्याय को लक्ष्मी बाई वार्ड अध्यक्ष, नरेंद्र उपाध्याय को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। आशीष (सोनू) उपाध्याय को उपाध्यक्ष, सचिन उपाध्याय को कोषाध्यक्ष,अभय उपाध्याय को सचिव, खुशबू उपाध्याय संगठन सचिव, ज्योति शुक्ला को संगठन सचिव,अनिल पांडेय को प्रचार सचिव, डॉ नारायण पांडेय को सलाहकार, मृदुल उपाध्याय को उपसचिव, सुरेश तिवारी को प्रचार सचिव,नमन उपाध्याय को सह प्रचार सचिव, कमल उपाध्याय को विशेष सलाहकार, चिंटू तिवारी को सह कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

ज्योतिराव फुले की 199वीं जयंती पर दी श्रद्धांजलि

नवभारत,जबलपुर । सदर कैंट स्थित तीन मूर्ति अंबेडकर पार्क में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा महान समाज सुधारक ज्योतिराव फुले की 199वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उपस्थित जनों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ के नगर अध्यक्ष राज सोनकर ने कहा कि फुले ने वर्ष 1848 में वंचितों और महिलाओं के लिए शिक्षा के द्वार खोलकर समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन की नींव रखी। वक्ताओं ने बताया कि उनके प्रयासों से सामाजिक कुरीतियों और भेदभावपूर्ण परंपराओं का अंत हुआ। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कैंट अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र पिल्ले, हनुमत राव, धर्मेन्द्र कुशवाहा, एड. अनिल बावरिया, अमरचंद्र बाबरिया, एड. रूपलाल पासी, डॉ. मनोज चौधरी, रवि बावरिया, सुरेश पासी, भागवती ठाकुर, प्लाश मजूमदार, पुरुषोत्तम नामदेव, राजेन्द्र सिंह निझावन, जब्बार अंसारी, अनबर बाबा, चन्द्रभान बावरिया, देवी प्रसाद गोडाने, जित्तू बेन, एड. कार्तिक कुशवाहा, हरिश्चन्द्र बिरहा, सुभाष करियार, ताराचन्द बावरिया, विजेन्द्र यादव, राजेश यादव, सुनील पासी सहित अनेक क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

जीआरपी जबलपुर ने चलाया साइबर जागरूकता अभियान

जबलपुर, नवभारत। शहर में ऑनलाइन धोखाधड़ी की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसमें छात्र छात्राओं के साथ साथ नौकरी पेशा वर्ग के लोग भी इस धोखाधड़ी का शिकार हो रहे हैं। इस तरह की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए जीआरपी जबलपुर ने मुख्य रेलवे स्टेशन पर साइबर सुरक्षा जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें बड़ी संख्या में यात्री, महिलाओं ने भाग लिया। इस जागरूकता अभियान के तहत लोगों को साइबर से संबंधित धोखाधड़ी एवं ओटीपी जैसी गोपनीय जानकारी किसी को नहीं देने का परामर्श देकर सोशल मीडिया पर साइबर के माध्यम से होने वाली घटनाओं से अवगत कराते हुए डिजिटल अरेस्ट के विषय में उदाहरण सहित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ ही सोशल मीडिया अकाउंट में मजबूत पासवर्ड रखने और उसे समय समय पर बदलने हेतु भी लोगो को जागरूक किया गया। इस अवसर पर जीआरपी थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत साइबर सेल से सहायक उप निरीक्षक रवि कुमार, सागर उपाध्याय, पिंटू पाल एवं स्टाफ अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह का आगमन आज

जबलपुर। प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह का रविवार 12 अप्रैल को जबलपुर आगमन होगा। मंत्री उदय प्रताप सिंह दोपहर 12 बजे नरसिंहपुर जिले के लोलरी से कार द्वारा जबलपुर आयेंगे तथा यहां गोल बाजार स्थित शहीद स्मारक भवन में नेमा समाज द्वारा आयोजित समाज गौरव अलंकरण समारोह में शामिल होने के बाद दोपहर 1.30 बजे कार द्वारा नरसिंहपुर जिले के ग्राम सिंहपुर बड़ा के लिए प्रस्थान करेंगे।

बैसाखी महापर्व पर आज खंडासाहिब होगा स्थापित

नवभारत, जबलपुर। गुरुद्वारा प्रेमनगर में आज से तीन दिवसीय बैसाखी महापर्व की शुरुआत हो जाएगी । आज 12 अप्रैल को प्रेमनगर से प्रात: 6.30 बजे नगर कीर्तन प्रभातफेरी निकाली जाएगी। 8.30 बजे दशमेश द्वार पर खंडा साहिब स्थापित किया जाएगा। तदोपरान्त 9.30 बजे तक निशान साहिब की कार सेवा संपन्न होगी । प्रधान साहब मंजीत सिंह ननडा एवं आयोजन समिति ने उपस्थिति की अपील की है।

कम उपलब्धि वाले स्वास्थ्य संस्थानों को सुधार के निर्देश

▶ नवागत सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी ने ली दो चरणों में समीक्षा बैठक

नवभारत,जबलपुर। नवागत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवीन कोठारी ने शनिवार को जिला चिकित्सालय स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में दो चरणों में समीक्षा बैठक लेकर जिले के सभी स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति का आकलन किया।

बैठक में एचपीवी टीकाकरण, नियमित टीकाकरण, मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, हाई रिस्क गर्भवती प्रबंधन, सिकल सेल एनीमिया, टीबी उन्मूलन के तहत 100 दिवसीय निक्षय अभियान, एनसीडी, अनमोल 2.0, सार्थक ऐप, सीएम हेल्पलाइन, होप कार्यक्रम और आयुष्मान योजना पर विशेष चर्चा हुई।

कम उपलब्धि वाले स्वास्थ्य संस्थानों के प्रभारियों और विकासखंड स्वास्थ्य अधिकारियों को प्रगति सुधारने तथा सभी कार्यक्रमों की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए।

ये रहे उपस्थित

बैठक में डीएचओ डॉ. विनीता उप्पल, एनसीडी नोडल अधिकारी एवं प्रभारी डीपीएम डॉ. सरिका दुबे, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. विनोद गुप्ता, अर्बन नोडल अधिकारी डॉ. अमजद खान, डॉ. संतोष साहू, डॉ. पारस ठाकुर, जिला मीडिया अधिकारी अजय कुरील सहित राम परखे, श्रेया अवस्थी, शिखा गर्ग, संदीप नामदेव, रेखा साहू एवं सभी ब्लॉक के सीबीएमओ, बीपीएम, बीसीएम और शहरी स्वास्थ्य केंद्रों के डॉक्टर व स्टाफ मौजूद रहे।

सर्वसम्मति से दीप्ति अध्यक्ष, निमिष महासचिव नियुक्त

नवभारत,जबलपुर। केन्द्रीय विद्यालय प्रगतिशील शिक्षक संघ, जबलपुर संभाग का संभागीय अधिवेशन शनिवार को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त दिग्ग राज मीना तथा सहायक आयुक्त किरण शर्मा उपस्थित रहीं, जबकि पर्यवेक्षक के रूप में प्राचार्य अमित श्रीवास्तव ने सहभागिता की। अधिवेशन की अध्यक्षता राष्ट्रीय महासचिव अनिल डेला ने की। कार्यक्रम में प्राचार्य फणी भूषण पांडे, प्राचार्य रजनीश कुमार सिंघई एवं उपप्राचार्य सुनीता केसर के नेतृत्व में आयोजन संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया में सर्वसम्मति से दीप्ति संत्सगी को जबलपुर संभाग का अध्यक्ष तथा निमिष श्रीवास्तव को महासचिव नियुक्त किया गया। साथ ही 25 सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें पूजा आनंद, हेमलता, हिमानी, विकास, पंकज शर्मा, नीरज चौहान सहित अन्य सदस्य निर्विरोध चुने गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुशील कुमार जैन, निशामा सिंह, पंकज दत्त मिश्रा, अतुल गुप्ता, हरीश बहोरिया, पुरुषोत्तम शुक्ला, तेज लाल तिवारी सहित लगभग 50 केंद्रीय विद्यालयों से आए शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मंच संचालन दीप्ति संत्सगी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन निमिष श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

युवक- युवतियों ने दी शिक्षा संस्कार और परिवार को प्राथमिकता

नवभारत,जबलपुर। पंजाबी हिन्दू एसोसियेशन द्वारा आयोजित 34वें राष्ट्रीय पंजाबी वैवाहिक परिचय सम्मेलन का शुभारंभ पूर्व मंत्री तरूण भानोत की उपस्थिति में नेपियर टाउन स्थित बारातघर में हुआ। दो दिवसीय इस सम्मेलन में पहले दिन ही 500 पंजीयन दर्ज किए गए, जिसमें 270 युवतियां और 230 युवक शामिल रहे। देश के विभिन्न शहरों नागपुर, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, पुणे, रायपुर, दिल्ली सहित कई स्थानों से युवक-युवतियां अपने परिजनों के साथ जीवनसाथी की तलाश में पहुंचे। सम्मेलन में शिक्षा, संस्कार और अच्छे परिवार को प्राथमिकता दी गई।हाईटेक व्यवस्था के तहत प्रतिभागियों की जानकारी स्क्रीन पर प्रदर्शित की गई, जिसमें फोटो, शिक्षा, व्यवसाय और पारिवारिक विवरण शामिल रहे। युवक-युवतियों ने मंच पर आकर अपना परिचय भी दिया, जिसे परिजनों ने उत्सुकता से नोट किया। मुख्य अतिथि तरूण भानोत ने कहा कि ऐसे सम्मेलन सामाजिक एकता और रिश्ते जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने इसे 'परिचय से परिणय की पहली सीढ़ी' बताया। कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष नरेन्द्र पाल मलिक, नरेश ग्रोवर, इंदर बिरमानी, उमेश शर्मा सहित कई पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

डॉ. गीता को मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान

नवभारत,जबलपुर। साहित्यकार, कवयित्री एवं समाजसेविका डॉ. गीता पांडेय 'बेबी' को उनके साहित्य, मानवता और समाज सेवा के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए ग्लोबल इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (यूएसए) द्वारा मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि उनके शोध कार्य 'दिव्या प्रेरक कहानियां' को समाज में प्रेरणादायक साहित्यिक योगदान के रूप में सराहा गया, जिसे डॉ. अभिषेक कुमार के मार्गदर्शन में एक्सीलेंस ए प्लस श्रेणी में प्रस्तुत किया गया था। शोध पूर्ण होने के पश्चात उन्हें कॉपीराइट एवं रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। यह सम्मान वलसाड़ (गुजरात) स्थित हार्टफुलनेस सेंटर मेडिटेशन एवं योगा केंद्र में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने डॉ. गीता पांडेय 'बेबी' के साहित्यिक एवं सामाजिक योगदान की सराहना की और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। डॉ. गीता पांडेय 'बेबी' विजयनगर, एकता चौक निवासी स्वर्गीय अवधेश कुमार पांडेय एवं श्रीमती रुक्मणी पांडेय (पूर्व टैक्स ऑफिसर, नगर निगम) की पुत्री हैं। वे लंबे समय से मानवाधिकार, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, दिव्यांग सहायता, निशुल्क शिक्षा, कंप्यूटर प्रशिक्षण, गरीब कन्याओं के विवाह एवं जरूरतमंद बच्चों को शैक्षिक सामग्री वितरण जैसे कार्यों में सक्रिय हैं। उन्हें अब तक लगभग 35-40 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मान तथा विभिन्न मंचों से 100 से अधिक पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। उनके इस सम्मान पर साहित्य एवं समाजसेवा से जुड़े लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

कार्यक्रम

अनंत ब्राह्मण महासभा का सांस्कृतिक समरसता कार्यक्रम आयोजित

प्रतिभावान विद्यार्थियों ने बिखेरा भारतीय संस्कृति का रंग

नवभारत, जबलपुर। सदर क्षेत्र स्थित शहीद स्मारक में अनंत ब्राह्मण महासभा द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पूर्व लगातार दूसरे वर्ष भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभाशाली बच्चों ने भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता पर आधारित मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनकी उपस्थित जनसमूह ने सराहना की। संस्था के संस्थापक अधिवक्ता अखिलेश उपाध्याय ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ना तथा सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम में विभिन्न हिन्दू संगठनों के उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मान भी प्रदान किया गया। साथ ही जबलपुर की मातृशक्ति संगठनों को समाज में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. अरुण पाण्डे ने जानकारी दी कि महानगर इकाई एवं महिला इकाई का विस्तार करते हुए संगठन को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जनवरी में संगठन विस्तार के बाद से लगातार सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को गति दी जा रही है।

प्राचार्यों एवं आचार्यों का सम्मान

कार्यक्रम में एडवोकेट ओ.पी. मिश्रा, पं. एस.के. पचौरी, पं. रत्नेश पाण्डे, पं. वी.पी. शुक्ला, आरती दीक्षित, मंजू दुबे, रंजना तिवारी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्यों एवं आचार्यों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन एडवोकेट ओ.पी. मिश्रा एवं अन्य सहयोगियों के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अंत में सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

इनका कहना है

'ऐसे कार्यक्रम हमें अपनी संस्कृति से जोड़ते हैं और हमें गर्व महसूस होता है।'

लक्ष्मी बर्मन

'सम्मान समारोह से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है और युवाओं का मनोबल बढ़ता है।'

प्रिया पटेल

'बच्चों की प्रस्तुतियाँ बहुत प्रेरणादायक थीं, इससे सांस्कृतिक शिक्षा को बढ़ावा मिलता है।'

रूबी जायसवाल

'ऐसे आयोजनों से हमें अपनी परंपराओं को जानने और समझने का अवसर मिलता है।'

साक्षी सेन